भारतीय चिकित्सा परिषद्, उत्तर प्रदेश
(BOARD OF INDIAN MEDICINE, U.P.)

आयुर्वेदिक यूनानी-भैषज्य कल्पक

(फार्मेसिस्ट)

पाठ्यक्रम तथा निबंधन सम्बन्धी

नियमावली

मुद्रक :
अधीक्षक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन–सामग्री, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद
१९८४

मूल्य 9.25

— प्रथम वर्ष —

प्रथम प्रश्न—पत्र

तारीफे तिब्ब व हिफजाने सेहत

(1) उमूरे तबैया—

(1) तारीखे तिब्ब

(2) अरकान

(3) मिजाज

(4) अखलाक

(5) आजा

(6) अरवा

(7) कुवा

(8) आफाल

(9) फने तिब्ब की इब्तिदा और उसका तारुफ व तर्फा[illegible]रा।

(2) सफाई या हिफजे सेहत (हाईजीन)—

(क) मोतअदी अमराज का फैलाव उनकी रोकथाम—छूत की बीमारियां, मोजामेअत (कापूलेशन), आतशक, गन्दला पानी व हवा के जरिए फैलने वाले वबाई अमराज और उनके फैलाने वाले जरासीम।

(ख) आबादी के मसाएल—दवासाज का खान्दानी बहबूदी प्रोग्राम में गोकाम अवाम को खानदानी बहबूदी प्रोग्राम से आगाह करना और इसको अस्पतालों और दवासाजी का व दीगर मोकामात में इसको कामयाब बनाना।

(ग) खानदानी फलाह व बहबूदी प्रोग्राम के मुखतलिफ उसूल, मुखतलिफ किमियावी अदविया, बजरिए दहने इस्तेमाल की जान वाली मुखतलिफ माने हमलियात व दीगर माने हमल तरीके।

(घ) माने हमल अशिया के इस्तेमाल के उसूल और उनकी हेफाजत उनके अकसाम व उनकी जांच के तरीके।

कुतुब—

(1) तिब्बी कुल्लियात—ह0 एहतशामुल कुरेशी।

(2) तहफ्फुजी व समाजी तिब्ब—ह0 अब्दुल मुबीन खां।

द्वितीय प्रश्न—पत्र

तशरीह मुनाफुल आजा (एनाटामी एण्ड फिजियालाजी)

1—जिस्म के लफजी माने और उसकी तफसीली तारीफ।

2—जिस्मानी तकसीम बलेहाजे आजा।

3—नसाएज (टीसू)।

4—जिस्मानी इकाइयों के अफआल या मोनाफेअ।

5—निजामें अजम (स्कल्टन सिस्टम)।

6—निजामें मुआसिल (ज्वाइन्ट्स सिस्टम)।

7—निजामें दौराने खून (सर्कूलेटरी सिस्टम्स)।

8—निजामें अजलात (मस्कुल सिस्टम्स)।

9—दम व सतूबते लिम्फावी (ब्लड)।

10—हजम व खमीरात, गेजा व तगजिया (डाइजेशन, इंजाइम्स एण्ड डाइजेशन जूसेशन आफ फड एण्ड न्यूट्रेशन)।

11—जिल्द (स्किन)।

12—निजामें तनफ्फुस (रिसपाइरेट्री सिस्टम्स)।

13—निजामें अखराजे बोल (यूरिनरी सिस्टम्स)।

14—निजामें गुदूद गैर नाकला (डक्टलेस ग्लोइड्स)।

15—निजामें आसाव व दिमाग (नर्वस सिस्टम एण्ड ब्रेन)।

16—आजाए हरसास्सह (सेनसरी आर्गन्स)।

17—निजामें तौलीद व तनासुल (रिप्रोडक्टिव)।

18—इल्मुल विलादत व कवालत।

19—खून, सफरा, सौदा बलगम की जानकारी।

क्रियात्मक (प्रैक्टिकल)

1—खुर्दबीन के इस्तेमाल का तरीका ।

2—तशरीह व मोनाफे के ऐतबार से जिस्मानी आज़ा के खाके, मुख्तलिफ आज़ा के माडल व सिलाइड्स का तआरुफ व शनाख्त ।

3—कुरियात दम का शुमार (काउंटिंग आफ) ।

इत्तेला (इन्फारमेशन)

तुलबा को तशरीह व मोनाफे की तालीम इस तरह दी जाय कि इनको एक-एक अज़ो व इनकी मोनाफे के मोतालिक अच्छी तरह मालूमात हो जाय व इन दोनों का बाहम रब्त भी जेहन नशीन हो जाये ।

कुतुब दाखिले नेसाब—

अंग्रेजी—एनाटोमी व फिजियालोजी फार नर्सेज ।
उर्दू—तशरीह कबीर ।
तशरीह शरीर—ह0 कबीरुद्दीन ।
मुनाफुल आजा—ह0 कबीरुद्दीन ।

तृतीय प्रश्न-पत्र

खवासे अदविया (फार्माकोलोजी) व शिनाख्ते अदविया

1—तारीफ दवा तथा उसके अवसाफ, निजाल, कुवा, अकताल व ख्वास बदल एदवा, मुजिर व मुस्लेह और मिकदार खुराक वगैरह की इब्तेदाई मालूमात ।

2—(क) मुस्तलहात—द्रव्यगुण परिभाषा—लतीफ, कसीफ, तज्जि जामिद हुश, लोआबी. दोहनी अवकाल, मुनशिशाफ, मुलत्तिफ, मुहल्लिल जाली, मुखश्शिन मुकतेह, मुरखी, मुजफ्फि, काशीरे ए- रेयाह, मुते, जाजिब, मुसलेह, मालेब, उफूनत, मुकव्वी, हाजिम मुगल्लिज, मुगर्री, मुब्बित लहीम फादेजहर तिरयाक, मुदिर, तम्स, मुसम्मिन, मुनबिल, मुफज्जिर, हाबिस, कौल, मुफरेह, मुरत्तिब, कावी, मुजफ्फिफ मुसदिद खालिस, मुबारिद, हाबिस, मुलैयन, मुसक्किम, मुआत्तिशा, मुकई, मुस्किर, मुखाद्दिद, मुदिद्र मिसुर्दिबौल, मुवही, मुसाहित, मल्लेह व बद्रका की तारीफ ।

(ख) मुस्तलेहात, मुतल्लिक नुस्खा—नुस्खा लिखने का ढंग । दर मुर्रवस्ता मुगवल, मुजव्वफ खराशीदा, मुकर्रज, आव मुरौवक की तफसील ।

3—(अ) वहमायन, त्रिफला, तोदरियैन, चार तुख्म, चार मग्ज, सन्दलेन, मुरौअकेन, फिल्फिलेन, काविलैन, मुखालियेन की पहचान और फायदे ।

(ब) इसके अलावा नीचे लिखे अदवियात के मुताल्लिक मामूली वाक्फियत ।

अदविया मुफरंदा

नबाती–अदविया

आलूएबुखारा, इक्लीलुलमलिक, पालक, अफसन्तीन, अंजसत उशना, अतीस, बर्गे शबित परिसियावश, खुब्बानी, सालब मिसरी, गुलनार, अदवा जलापा, अबहल, असारुन, अजवाइन देशी असगंध, अस्तखूददश, अंजीर, जवाखार, हलेला, हब्बुल, आस, अनीसून, उश्ना, बुरादा आबनूस तुख्म खरबूजा गुलकन्द, हिल्तीत बेख जदर, उजुज बेख ईजखार, मग्ज, कद्दू, लहसुन, जौजबुआ, जावशीर, जवास, चोबचीनी, हब्बुस्सलातीन, हब्बुलकिल्त, पिल पिल दराज, कुस्त, कांवगज, धावा अफ्फूरे, खरनूब, दहनज, रेहां, जंजबील, सुदाब, सरेशमाही समुन्दर फल, भंग, तूत, सुरजाल, तकमुनिया, सकबीनस, शुकाई, तुख्म, शलजम, काफूर, इनबुस्सलय, फरन्जमुशक, बोजीदान, बुन्दक सत बिहरोजा, गन्दा बिहरोजा, बीरा, करफस, गिलोय, गुलचांदनी, खार-खसक, पुम्बादाना, खशखाश, तुरन्जबीन, कासनी, तुख्माजर, चिरायता, अम्बा हल्दी, अलसी, उशूक, कूतंम काकड़ासिंगी कायफल, कसूस, गुडहल, गलेगाफिस, करनफूल हिन्जल दालचीनी, दुकू, बादियान, जरावन तवील, जेरावन, मुदहरज, जाफरान, समुन्दर सोख, सिमाक, सेवती, शीरखिश्त, तुर्बुत, सातर उशवा, अदस, जुंगुर, उटगन, अजवायन, खुरसानी, जदिशक, ईरसा, इसफगो विरमडण्डी, पान, पेखकासनी, बेलगिरी, पनवाड, तमरहिन्दी, तुर्मस, हातमी, तुदरियेन, जाज, दसवासा, चाक्सू, कबाब चीनी, कबाब खन्दा, कबीला, खरदक, हिना, • दम्मुल्ल अखविन, रुवस्सूस, भिगन, जुफर, जैतून, सनाय, सेमल, शताबर, शकरतीगाल, शिब्त शहतरा, बुरादा शीशम, सेमगे अरबी, उसासबन्द, उन्नाव, लोबान, तुख्मबुरफा, बिसफाइज बालंग, वायबिडिंग, बागखुरवा, बाबूना, बनफसा, बुरये अरमनी, प्याज, बाकला, बादरंज, बोया, बिरंजासिफ निलादर, वेद्ध अंजीर, बिहदाना अनार, तुर्बुद, कौंस, वर्ग बाउजवा ।

हैवानी–अदविया

आबरेशम, अन्फेहा, खरातीन, सरेश म्याही, अम्बर, बीरबहूटी, जुन्द बेदस्तर, सर्तान, संगदानाए मुर्गा, मुश्क, शंख बारहसिंगा ।

मादनी अदविया

उसरुब, अबरक, खुब्सुलहदीन, रसकपूर, जनरिख, संगबसरी, सुहागा, शोरा, तिला (सोना), याकत, तूतिया, हजरुल-यहद, लोहा, अल्मास (हीरा), इसमद जमूर, जमुर्रद, सफेदा, संगजराहत, सीमाब (पारा), गिल अरमनी, फीरोजा, लाजवर्द, शिलाजीत, गंधक जस्ता, बूरे अरमनी, इनकी मुख्तसर पहिचान और खवास व फवायद वगैरह का मामूली इल्म ।

4—अदविया के जमा करने और उनके तहफ्फुज व उसके मुताल्लिका अहकाम का इल्म, अदविया के पहचानने की तदबीर एक दवा के न होने पर दूसरी दवा के लेने और की मिकदार खुराक के अहकाम वगैरह ।

5. **Western Therapy**—Knowledge of given medicines, used in Alopathic system :

Boric Acid.

Zinc Oxide.

Soda Bicarb.

Mercuric Chrome.

Acreflarim.

Yellow Petroleum.

K. mudy (Potassium permagnate).

Ressentiat Oil.

Olive Oil.

Castor Oil.

Asprin Tab.

Methylated Sprit.

Zinc Benzoin.

Quinine Sulph.

Antiseptic.

Chloroform and other anesthetic drugs.

Sulpha drugs and Antibiotics.

Tincture Iodine.

6—शिनाख्ते अदविया की अहमियत एवं शिनाख्त की तरीकों की जानकारी ।

6. **Practical**—Physical properties, Chemical properties and Identification of abovementioned substances.

कुतुब

1—यूनानी द्रव्य गुण विज्ञान (हिन्दी) ।

2—किताबुल अदविया (उर्दू) ।

3—कुल्लियात अदविया (उर्दू) ।

4—मुअल्लेमुल अदविया (हकीम मसीहुज्जमां) ।

5—बुस्तानुल मुफैदात ।

6—तालीमुल अदविया ।

7—मुकद्दमये इल्मुल अदविया—ह० एहतशामुल हक कुरैशी ।

– अनिवार्य –

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

इल्मुल सैदलिया व इल्मुल कीमियां

(फार्मेसी एण्ड डिस्पेंसिंग)

1—इस्तेलाहात का इल्म, औजान और पैमाने, इनके अकसाम, कदीम तिब्बी, औजान व पैमाने का जदीद औजान व पैमाने से तवाजुन ।

2—दवासाजी के आलात—करसधीक, भभका, पाताल जन्तर, खरल वगैरह का इस्तेमाल ।

3—सैदलिया कुल्लिया—दवासाजी और इब्तिदाई तक्सीम, दवासाजी की खुसिसियात, आमाल दवासाजी (क) मुख्तलिफ किस्म की अपचें, उनके इस्तेमाली नाम और अमली वजाहत, (ख) दवासाजी के मुफरद आमाल—दवायें कूटना, पीसना और छानना, सफूफ करना, खरल करना, तस्वील व गरल अदविया, तरबीक, तस्फिया, तक्सीर, तसईद, तदखीन व उसारा, रुब्ब बनाना, नूकू (खेसादा बनाना), तवीख (जोशांदा बनाना), इवला (नमक या खार बनाना), एहराक, बहशीस तकलीस (कुश्ता बनाना और आंच की मुख्तलिफ इस्तलाहें, गिले हिकमत और कपरौटी, तख्मीर व तअफीन रोगन व तिला कशीद करना, पाताल जन्तर और दीगर जन्तरों की मुख्तलिफ किस्में, तेजाब सत, (ग) कियामी अदविया, किवाम, और उसके अहकाम, शर्बत, सिर्का जबीन, बउक, खमीरा, माजून, आनोशदारू व जवारिश, इत्तरीफल, लुबूब मुरब्बे, गुलकन्द, अब्बब बनाना लुब्बी बनाना, राबता और उसकी किस्में, गोली बांधना, वर्क चढ़ाना, शकर चढ़ाना आदि, कुर्स बनाना और उसके मुतअल्लिक उसूल व हिदायत लुआब और शीरा बनाना, और उसके हुब बनाना, (घ) अर्क व माउल्लहम खींचने का तरीका ।

4—मुख्तलिफ अदबिया—सम्म, व सम्म मुतलक तथा मामूल-ए-अतब, मुशाह रा बुरक्क बात के सवारा, तरकीब तैयारी खुराक व फवायद और इस्तेमाल वगैरह का मुख्तसर इल्म, मादनियात व दीगर अदबिया का मुदव्वर करना।

5—चन्द अग्ज़िया की तैयारी—दाल का पानी, दलिया, साबूदाना, हरीरा, फालूदा, फिरीनी माउल, जुब्न, माउश्शईर, माउल, अस्ल, यखनी।

6—(क) लोशन बनाना, मुख्तलिफ अदबिया के लोशन बनाना, आंख का लोशन वगैरह।

(ख) प्लास्टर—प्लास्टर बनाने की तरकीब। पेरिस प्लास्टर के बनाने तथा काटने की तरकीब।

(ग) हब्बपूजन तथा हमत्सन बनाने की तरकीब, अफलातूनी रोटी।

7—सैदेलिया जुजइया—अत्तार के फरायज, दवाखाने का आरास्ता करना, दवाखाने में दवाइयों की तरकीब, अन्तरखाने के आलात, नुस्खा बांधना, अदबिया की नाप तौल, इस्तेहलात मुतअल्लिक दावासाजी।

8—रजिस्टर—रजिस्टरों का भरना और उनको महफूज रखना, मामूली मतब अदबिया (मुफरदा व मुरक्कबा) की फेहरिस्त (इण्डेण्ट) बनाना, मकामी अदबिया के जमा करने की तरकीब।

कुतुब

1—मुअल्लेमुल अदबिया हिस्सा-2 (हकीम मसीहुज्जमा)।

2—देहली का दवाखाना (हकीम कबीरउद्दीन)।

3—किताबुल मुरक्कबात (ह0 सैय्द जिल्लुर्रहमान)।

पंचम प्रश्न-पत्र

तीमारदारी, तिब्बे कानून व इल्मोसमूम

तीमारदारी—

1—तीमारदारी के औसाफ और फरायज, तीमारदार का अखलाक व सुलूक और उसका लिबास, मरीज और मरीज के खानदान वालों के साथ उसके ताल्लुकात।

2—शिफाखाना और उसमें इस्तेमाल होने वाली हर एक अशिया की ततहीर, तादिया व तदारुक।

3—मरीज के कमरे (वार्ड) में नये मरीजों की भर्ती के कवायद व जवाबित। मरीजों से मुलाकात करने के लिये मरीज के कमरे में दाखिल होने के कवायद व जवाबित।

4—मरीज के जिस्म की सफाई, कमजोर मरीजों का बिस्तर पर ही गुस्ल, बौल व बराज के जुरूफ का इस्तेमाल, मरीज के आराम और नींद का इंतजाम।

5—बिस्तर तैयार करना-मुख्तलिफ अकसाम के बिस्तर।

6—जख्म बिस्तरी—जख्म बिस्तरी के असबाब, उनका तदारुक और इलाज।

7—मरीज का नाप-तौल—मरीज के जिस्म की हरारत को नापना, नब्ज व फेफड़े तनफ्फुस का इम्तिहान करना।

8—नुस्खे में मुस्तमिल इशारों की इल्म, मरीज के कैफियत के कागज को भरना, मरीज के बारे में रिपोर्ट तहरीर करना, मरीज के जिस्म की हरारत, नब्ज, तनफ्फुस, बौल बराज, बलगम के जिल्द और नफ्सियाती कैफियात, कैफियात हर्कत आदि का मुसाहिदा करके रिपोर्ट तैयार करना।

9—बौल व बराज व बुजाक (थूक) को इम्तिहान के लिये भेजने का तरीका।

10—नाक वगैरह दीगर मसालिक (राहों) से मरीज को तगज़िया पहुंचाना।

11—मुख्तलिफ हुक्नों के अहकाम, मसाना में कसद वगैरह सभी मसालिक-ए-फुजलात का गुस्ल व सफाई, डूस और कैथीटर का इस्तेमाल।

12—इन्किबाब (गुस्ल बोखारी), तकमीद व सेंक और पुल्टिस, गरम पानी की बोतल, मुख्तलिफ अकसाम की पुल्टिसें।

13—हरारते जिस्म को कम करने के लिये तदबीर व तबरीद। बारिद पट्टियों और पुल्टियों का इस्तेमाल।

14—इस्तेमाल अदविया-खारिजी इस्तेमाल बजरिये मुंह तनफ्फुस और मकअद अदविया का तहफ्फुज अदविया का मुसाहिदा।

15—मुताल्लिक वर्म तदाबीर—पुल्टिस, सूखा गरम सेंक (तकमीद), इन्किबाब इसालए-अलक हजामत, तमरीख वगैरह।

16—दल्क की तरकीब और अहकाम, मजरूह व. दल्क के जरिये इलाज, मसलन वर्म कसर (इन्किसारुलअज्म), खलअ वगैरह में। दीगर मरजी हालात में दल्क और रियाजतवजिस वगैरह के जरिये इलाज।

17—बदरका और अग्ज़ियातुल्मर्ज़ा के अहकाम, साबूदाना, माउश्शईर (जौ का पानी) अलसी की चाय तुलसी व अदरक की चाय, सिकंजबीन, दाल का पानी, चूने का पानी, चावल का मांड वगैरह को तरकीब तैयारी मरीज के जरूफ मरीज की गिजा की संभाल।

18—अकसाम अमराज के लिहाज के अकसाम तीमारदारी की तफसील।

19—मरीज के मौत की इम्कानात में तीमारदार के फरायज बादे मौत मइयत का इंतजाम ।

(2) तिब्बे कानूनी—हैवानी जहर नबाती जहर एवं मादनी जहरों (Poisonous and dangerous drugs) के मुताल्लिक कानूनी जानकारी ।

(3) इब्तदाई इलाज व मोआलिज—ए—जर्राही के फरायज (फर्स्टऐड)

(1) आलाते जर्राही (सामने इलाज) मरहम और बन्दिश के पाकीजा सामान (रुई असावात तथा चिमटी नश्तर) मूसा (उस्तरा) वगैरह आलात व सामाने जर्राही और तअसीब (पट्टी बांधना) वगैरह का इल्म कए (दागना) कए विजार हजामत इसाल अल्क वगैरह का मामूली इल्म ।

(2) इब्तिदाई तदबीर—इत्तिफाकी सदमात और उनका इलाज जर्राही—ए—जरबी का इब्तिदाई इलाज कुचल जाने और कुचले मुकाम के नीला पड़ जाने की वजह खून रोकने की तदबीर नाक मुंह वगैरह से निकले हुए खून के रोकने की तदबीर हरकुनार शुआउ—शम्सी से जमने या बर्फ से गलने या सर्दी में ठिठुर जाने गर्मी या दिमाग में गर्मी चढ़ जाने पानी में डूबने कस खला दम घुटने सांस जारी करने वगैरह की इब्तिदाई तदाबीर और जख्मी को स्ट्रेचर में रख शिफाखाने तक ले जाने की तरकीब का इल्म इत्तिफाकी हादेसात के मुताल्लिक तैयारी का इल्म ।

(3) एलाज समूम (इल्मुस्समूम)—अक्साम सुमूम सुमूम के असरात में तगईयूर पैदा करने वाला असबाब मुख्तलिफ आजा जिस्मानी पर समीयात के असरात पलामात एसम्मी हर सम्मयकी अलामात मख्सूसा तकसीम सम्म के उसूल मुख्तलिफ सम्मीयात की मुख्तलिफ खुराक मुद्दत हलाकत समूम का इब्तिदाई इलाज सांप बिच्छू कनखजूरा शहद की मक्खी मच्छर बरें पागल कुत्ते विषखोपरा वगैरह के जहर का बयान और इब्तिदाई तदाबीर जहरों के अक्साम व तकसीम करने की एहतियात कोकीन अफ्यून और शराब के बारे में सरकारी कवायद व जवाबित ।

(4) मोआलिज—ए—जर्राही या तीमारदार जर्राही के फरायज—पाक व साफ यानी मुतऊहर जराहियात (Aseptic Surgery) के उसूल जरासीम की किस्म जिस्म के अंदर मरज पैदा करने वाले जरासीम का तरीका दाखला जरासीम के मार डालने की तदबीर उबालना बोखारात पहुंचाना वगैरह ततहीर व ताकीम ।

अमल जर्राही—(क) कमरे जर्राही का इंतजाम देख व रेख अमलियात का इब्तिदाई इंतजाम पानी तैयारियां मरीज को अमलियात के लिये तैयार करना ।

(ख) शिफाखाने के और सामान व उनके नाम और इस्तेमाल ततहरीर व ताकीम तअसीब (पट्टियां) का तैयार करना ।

(ग) जर्राही के आलात उनके नाम और उनको साफ-साफ और उनको महफूज रखने का तरीका ।

अमल—जर्राही

अमली जर्राह के कब्ल हाथों की ततहीर नाखून की ततहीर रबर के दस्तानों का इस्तेमाल मरीज की जिल्द और आलाते जर्राही को ततहीर व ताकीम अलावा सुईयों की ततहीर ।

(घ) मरीज को अमलियात के लिये तैयार करना अमलियात के बाद की तदाबीर और उसके अवारिज को इलाज सदमा इन्तिहात (कोलेप्स) का इलाज जिरयाने खून और उसका इलाज ।

(ङ) तअसीब व असादा (बैन्डेज) जिस्म के मुख्तलिफ आजा मखसूस हिस्सों के लिये खास तअसीब (बैण्डेजेज) ।

(च) जर्राने—ए—इजास—इन्फिरशात इजाम व इसके मुख्तलिफ अक्साम अलामात सादाव मुरक्का कुसुर का इलाज व तदाबीर, खल मफसल और उनका इलाज, मोंच ।

(छ) मुसद्दिर अदविया का उमूमी इल्म और इस्तेमाल, मुस्तामिल मुसद्दिर अदविया, तखदीर के हालात तखदीर के खतरे और उनकी एहतियाती तदाबीर तखदीर के बाद मरीज की देखभाल क्लोरोफार्म और ईथर का तरीक—ए—इस्तेमाल ।

(ज) जख्म जराहत और मामूली जख्म की अमली ततहीर तअसीब ड्रेसिंग ।

(4) अस्पताल और आप्रेशन के मुताल्लिक (Professional Ethics and Hospital Management) ।

1—कम्पाउण्डर्स और उसके फरायज और पेशेवाराना जिम्मेदारी अस्पताल के मर्जा को नर्स और अवाम से राब्ता कायम रखने की जिम्मेदारियां व फरायज के मुताल्लिक पूरा इल्म ।

2—दवाइयों और इलाज के मुताल्लिक सरकारी कवायद व कानून के बारे में पूरी जिम्मेदारी ।

3—यूनानी तिब्ब के मुताल्लिक कम्पाउण्डर के फरायज ।

4—खानदानी मनसूबा बन्दी और उसके मुताल्लिक खास-खास तरीकों की जानकारी और कम्पाउण्डर की मददगारी हैसियत ।

5—नुस्खों को तरकीबों और उसकी दवाइयों को समझना और नुस्खे के मुताल्लिक दवाइयां तैयार करके तकसीम करने का उसूल और तरीका ।

6—अस्पताल आपरेशन रूम फारमेसी की पूरी जानकारी और उनके मुताल्लिक सबों को कामों की देखरेख का इल्म और इनके प्रबंध के बारे में पूरी जानकारी ।

7—मेडिकल सार्टीफिकेट के तैयार करने के तरीकों के बारे में कानूनी तरीकों पर नियमों की जानकारी ।

कुतुब—

1—नर्सिंग प्रोसीजर ।

2—मकजरूल हिकमत—ह0 गुलाम जिल्लानी ।

3—तीमारदारी व घरेलू इलाज—ह0 उम्मुल फजल ।

4—इल्मे समूम—ह0 हम्माद उस्मानी ।

5—तिब्बे कानूनी—ह0 हम्माद उस्मानी ।

छठा प्रश्न—पत्र

तशखीस व इलाज

1—मर्ज की तारीफ मर्ज के आम असबाब मर्ज के मुकाम व अक्साम जिस्मानी व नफसानी अमराज के मादूदे तबई व गैर तबई बदनी अख्लात वगैरह माद्‌दों के अफजाल उनके असबाब व उनके जरिये पैदा होने वाले अमराज की अलग-अलग तादाद अमराज बेहारपान ।

2—तशखीस लुग्वी माने इस्तिराकाउल मरीज और उसके अक्साम इख्तिफ—सारात व जिस्मानी उनके अक्साम व इम्तिहान विलजस्स का तारीका नब्ज जबान (जायका) आवाज वगैरह । हवास—ए—खम्सा सूरत व सहना बौल व बरोजे वगैरह के इम्तिहान का तरीका । बलगम व खून के तरीक—ए—इम्तिहान और मिक्यासुल हरारत व मिस्काउस्सर के जरिये इम्तिहान अमराज का मामूली इल्म ।

3—तरीक—ए—एलाज एलाज के अक्साम एलाज से कब्ल मोआलिज के फरायज, मरीज के मुतल्लिक मोआलिज के फरायज ।

4—बदरका की तारीफ बदरका के अहकाम बदरका की मिकदार खूराक मुख्तलिफ अदविया के बदरकात ।

5—अदविया की मिकदार, खूराक के अहकाम मिकदार खूराक बराय अतफाल औकात इस्तेमाल दवा ।

6—तरतीब तकमीद कए मुसहिल हुक्ना कोहल, गरगरा मजमजा कुतूर बुखूर शुमूम लखलखा आदि का इल्म ।

7—हुम्मा इसहाल बवासीर जोफेहजम हैजा यरकान तपेदिक व सिल खांसी हिचकी रिब्व (दमा) के सहर सिद्र व दुवार गशी मिर्गी कब्ज अमराज आसाब व दिमाग वजउलमफासिल क्लंज वायगोला अमराज क्ल्ब अमराज—ए—मसाना औराम, बवासीर, सूजाक आतशक, कूवा, सुर्खबादा, ताऊन, अमराजुल्फम, अमरा, जुल्फम, जुकाम, अमराजुर्रास, अमराजुएन, अमराजेअनफ अन्फ हुम्मा नफासिया (प्रसूत) बच्चों की काली खांसी और पसली के अमराज के अलामात, आम अलामात—ए—मुन्जिर और आम अरीकए एलाज व गिजा और परहेज वगैरह का मामूली इल्म ।

8—इलाज के वसूलों की जानकारी ।

कुतुब—

1—शरह असबाब (तजुर्बाए कबीर)

2—रहनुमाये तशखीस—ह0 एहतशामुलहक कुरैशी ।

CONDITIONS TO BE FULFILLED BY THE INSTITUTIONS IMPARTING TRAINING FOR DIPLOMA COURSE IN PHARMACY (AYURVEDIC/UNANI).

Any authority/institution applying for permission to impart above training to Board of Indian Medicine, U. P., Lucknow for approval of courses of study for diploma in Pharmacy (Ayurvedic/Unani) shall provide :

A. Accommodation.—(A) It should be adequate own building. (B) Adequate with proper ventilation, light and other hygienic conditions.

(a) *General*—

1. Head of the Institution's Room, Staff room and Office.
2. Library, Reading Room (together or in different rooms).
3. Museums and Laboratories (Dravyaguna, Ras Shastra and Sharir).
4. Student's Common Room.
5. Class Rooms—2 with a capacity of accommodating 50 students in each.

(b) *Laboratories*—

For the maximum efficiency laboratories should be separate and well equipped. Three separate laboratories of Dravyaguna, Ras Shastra and Sharir are essential to run the course efficiently.

(c) *Hospital*—

A hospital with a surgical and medical outdoor and an indoor of at least one occupied bed per four students admitted to the training is required. The hospital will be run existing by the teaching staff of the college. Principal will act as the Superintendent of the Hospital in addition to his own duties. Senior teacher will be M. O. Incharge in addition to his own duties.

(*d*) *Pharmacy*—

Practical training and manufacturing process is essential in college pharmacy or in some oth pharmacy permitted by Board of Indian Medicine, U. P.

(*e*) *Hostel*—

If possible the desirous candidates be provided hostel accommodation.

B. **Staff**.—The Principal should be full-time, he shall not be engaged in teaching for more than three hours a day, so that he may be left with adequate time for administrative work.

The teaching staff (Lecturers and Demonstrators) may be employed on a full-time or part-time basis. The part-time staff should not be more than 50 per cent of the total staff. No teacher will have teaching duties of more than 6 hours a day and also not more than 24 hours a week.

Demonstrators will not be allowed to take theory classes. A practical class will always be conducted by a demonstrator under supervision of lecturer of the subject.

C. **Qualifications of teaching staff**.—(i) *One Principal*.—Ayurvedic/Unani Degree of 5 years duration of U. P. State (registerable with Indian Medicine Board with 5 years adequate teaching and administrative experience. Post-graduate qualification will be preferred.

(ii) *Six Lecturers*.—Ayurvedic/Unani Degree of 5 years duration of U. P. State (registrable with Indian Medicine Board). Adequate teaching experience in the subject at least two years or Post-graduate qualification will be preferred.

(iii) *Three Demonstrators*.—Ayurvedic/Unani Degree of 5 years duration of U. P. State (registerable with Indian Medicine Board.

D. **Equipment**.—(In sufficient quantity for training of admitted candidates).

I. Dravyaguna Laboratory and Museum.	II. Ras Shastra Lab. and Museum.	III. Sharir
Compound microscopes	Pestle and Mortar	Skeleton. (Complete).
Dissecting microscopes	Balances	Incupator.
Razors	Models of different Yantras	Autoclave.
Scissors	Charts	Models.
Scalpels	Karahi	Bacteriological microscope.
Dissecting needles	Karchul	Charts.
Slides (Plane)	Angithi, etc.	Urinometer.
Cover slips	Other equipment helpful in training the subject.	Lactometer.
Chemicals		Thermometer.
Glassware		Thermos flask.
Specimen jars		Convex and concave lenses.
Petri dishes		
Drug Specimens 100(Dry)		Colorimeter.
Drug Specimens 50 (Wet Preserved).		Chemicals.
Herbarium sheets		Other equipment helpful in training the subject.
Glass containers		
Showcases.		
Mounted specimens/charts		
Other equipment helpful in training the subject.		

E. **Herbarium**.—Possessing about 100 local and common medicinal plants.

F. **Library**.—Every institution shall maintain a library, which should contain books, mentioned in syllabus and also the current periodicals,magazines and journals. There should be adequate place in the library for students and staff to refer the books. Facility of issuing books to the students and teachers be provided.

G. **Games and sports**.—Facility should be provided to students for their physical and mental developments.

PSUP—8 Chikitsa—22-11-83—250 (M)